Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women
[Deemed to be University] Coimbatore-641 043

Bachelor's Degree Examination – November 2018
III Semester

Class : II UG **Time: 3 hours**
Major : All Majors **Max. Marks: 100**

15BLE003 Language Hindi – III Ancient and Modern Poetry

Part-A **10x1=10**
Choose the correct answer

ANCIENT AND MODERN POETRY – 15BLH003-LANGUAGE HINDI III

Part – A (10 x 1 = 10)

सही उत्तर को गोलाकृत कीजिए।

1. भक्तिकाल का समय क्या है?
   अ. 1300–1600 वि.सं. आ. 1400–1800 वि.सं.
   इ. 1375–1700 वि.सं. ई. 1200–1500 वि.सं.
2. वीरगाथा काल की काव्यभाषा क्या है?
   अ. डिंगल आ. पिंगल इ. मंगल ई. जंगल
3. चन्द्रायन किसकी रचना है?
   अ. कुतुंबन आ. मंझन इ. उस्मान ई. मुल्ला दाऊद
4. राम भक्ति का प्रवर्तन किसने किया?
   अ. परमानंद आ. रामानन्द इ. आनंद ई. विवेकानंद
5. प्रयोगवाद के प्रवर्तक कौन है?
   अ. अज्ञेय आ. दिनकर इ. प्रसाद ई. निराला
6. 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है?
   अ. सूरदास आ. तुलसीदास इ. केशवदास ई. रामदास
7. प्रिय–प्रवास किस भाषा का प्रतिनिधि काव्य है?
   अ. अवधी आ. व्रज इ. खड़ीबोली ई. संस्कृत
8. गुप्तजी का जन्म कब हुआ?
   अ. 1786 आ. 1886 इ. 1896 ई. 1986
9. महादेवी वर्मा को अपनी कौन–सी रचना के लिए ज्ञानपीठ मिला है?
   अ. भामा आ. साकेत इ. यामा ई. आँसू
10. 'परिमल' किसकी रचनाओं का संग्रह है?
    अ. प्रसाद आ. वर्मा इ. पंत ई. निराला

Part – B (5 x 6 = 30)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर ४०० शब्दों से अधिक न हो।

भावार्थ लिखिए।

11अ. सब धरती कागद करूँ, लेखनी सब बनराय।
सत समुँद की मसि करूँ, गुरु गुन लिखा न जाय।।

(या)

11आ. जब मैं था तो गुरु–नहीं, अब गुरु है हम नाहिं।
प्रेम गली अति साँकरी, तामें दो न समाहिं।।

12अ. पिय बिनु नागिनि कारी रात।
जौ कहुँ जामिनि उवति नन्हैया, उसि उलटी है जान।।
जंतु न फुरत मंत्र नहिं लागत, प्रीति सिरानी जात।
सूर स्याम बिनु विकल विरहिनी, मुरि–मुरि लहरैं–खात।

(या)

12आ. जड़, चेतन, गुण–दोषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत–हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार।।

13अ. मेह उनपर है बरसता एक–सा
एक–सी उनपर हवाएँ है बही।
पर सदा ही यह दिखाता है हमें,
ढंग उनके एक–से होते नहीं।

(या)

13आ. चाह नहीं, सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ।
चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ।।

14अ. तुम हो राधा के मनमोहन, मैं उन अधरों की वेणु।
तुम पथिक दूर के श्रान्त, और मैं बाट जोहती आशा।

(या)

14आ. सौरभ फैला विपुल धूप बन,
मृदुल मोम–सा घुल रे मृदु तन
दे प्रकाश का, सिन्धु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल–गल

उत्तर संक्षेप में लिखिए।

15अ. प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ क्या है?

(या)

15आ. भारतेन्दु–युग की काव्यगत विशेषताएँ क्या है?

Part – C (5 x 2 = 60)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर ८०० शब्दों से अधिक न हो।

16अ. कृष्णभक्ति शाखा के कवियों का उल्लेख कीजिए और उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(या)

16आ. ज्ञानाश्रयी शाखा से क्या तात्पर्य है? विवेचना करते हुए उनकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

17अ. पठित पद्यों के आधार पर तुलसीदास के काव्य–सौष्ठव पर समीक्षा कीजिए।

(या)

17आ. द्विवेदी युग की काव्यगत विशेषताएँ बताते हुए 'छायावाद–युग' पर विस्तार से एक लेख लिखिए।

18अ. हरिऔध के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालकर फूल और काँटा कविता का सार लिखिए।

(या)

18आ. पुष्प की अभिलाषा कविता का सारांश लिखकर विशेषताएँ बताइए।

19अ. गुप्तजी का परिचय देकर 'सखी वे मुझसे कहकर जाते' कविता का सारांश लिखिए।

(या)

19आ. निराला का संक्षिप्त परिचय देकर 'तुम और मैं' कविता का सारांश लिखिए।

20अ. 'एकलव्य का प्रयाण' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(या)

20आ. 'मेरे दीपक' कविता का सारांश लिखकर महादेवी वर्मा की भाषा शैली पर एक लेख लिखिए।

———